फर्जी मार्कशीट मामले में प्राइवेट टीचर और बजरी कारोबारी गिरफ्तार

राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित हुई थी हिंदी लेक्चरर भर्ती परीक्षा-2022

- एस.ओ.जी. ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया
- पूछताछ में आरोपियों ने फर्जी डिग्री की मार्कशीट का सत्यापन मेवाड़ यूनिवर्सिटी से कराना कबूला

एस.ओ.जी. ने जोधपुर से एक प्राइवेट टीचर और बजरी कारोबारी को गिरफ्तार कर अजमेर स्थित कोर्ट में पेश किया।

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित हिंदी लेक्चरर भर्ती परीक्षा 2022 में फर्जी मार्कशीट के मामले में एस.ओ.जी. ने जोधपुर से एक प्राइवेट टीचर और बजरी कारोबारी को गिरफ्तार कर सोमवार को अजमेर स्थित कोर्ट में पेश किया, जहां से कोर्ट ने आरोपियों को चार दिन की रिमांड पर सौंप दिया। एसओजी की पूछताछ में दोनों आरोपियों ने फर्जी डिग्री की मार्कशीट का सत्यापन मेवाड़ यूनिवर्सिटी से कराना कबूला है। एसओजी अब तक मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है और जांच में जुटी है।

एस.ओ.जी. के एडिशनल एसपी मुकेश सोनी ने बताया कि जोधपुर निवासी सोमेश गोदारा और पाली निवासी सुनील बिश्नोई को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने फर्जी डिग्री की मार्कशीट मेवाड़ यूनिवर्सिटी से वेरीफिकेशन करवाना सामने आया है, हालांकि एसओजी दोनों से पूछताछ में जुटी है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सुशील बिश्नोई बजरी का तथा दूसरा आरोपी सोमेश जोधपुर के एक निजी स्कूल में अध्यापक का काम करता है। उन्होंने मामले में पूछताछ के बाद अन्य गिरफ्तारियां होने की संभावना भी जताई है।

एसओजी के ए.एस.पी. सोनी ने बताया कि एस.ओ.जी. की जांच में सामने आया कि पूर्व में गिरफ्तार डॉ. सुरेश बिश्नोई आरोपी ब्रह्मकुमारी व कमला कुमारी के लिए सत्यापन पत्र बनवाने के लिए बजरी कारोबारी सुनील बिश्नोई से कांटेक्ट में था। व्हाट्सएप के जरिए ही ब्रह्मकुमारी व कमला कुमारी के उक्त सत्यापन पत्र सहित अन्य दस्तावेज के बारे में व्हाट्सएप पर चैट की गई। आरोपी ब्रह्मकुमारी को जिस दिन व्यक्तिगत रूप से आयोग ने बुलाया था उसी दिन भी दोनों के बीच में फर्जी सत्यापन पत्र तैयार करवाने को लेकर व्हाट्सएप पर चैट हुई थी। एसओजी को आरोपी डॉ. सुरेश बिश्नोई के मोबाइल से यह चैट मिली हुई है। वही प्राइवेट टीचर सोमेश गोदारा भी पूर्व में गिरफ्तार डॉक्टर सुरेश बिश्नोई के ही संपर्क में था। मालूम हो कि एसओजी ने मामले में पूर्व में सात लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभी रक्षा में जेल भेज दिया है।

नीट-यूजी 2024 के संशोधित रिजल्ट्स जारी

रिजल्ट्स में एलन के 23 स्टूडेंट्स को ऑल इंडिया रैंक-1

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से सोमवार को नीट-यूजी 2024 के संशोधित रिजल्ट्स जारी कर दिए गए। इन परिणामों में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने श्रेष्ठता साबित की है। एलन के निदेशक डॉ.बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि संशोधित नीट परिणामों में टॉप आल इंडिया रैंक-1 परफेक्ट स्कोर और टॉप-100 में एलन स्टूडेंट्स की संख्या देश में सर्वाधिक है। माहेश्वरी ने बताया कि एनटीए की ओर से जारी संशोधित परिणामों में एलन के 23 स्टूडेंट्स ने 720 में से 720 परफेक्ट स्कोर प्राप्त कर संयुक्त रूप से ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की है। इनमें 15 क्लासरूम तथा 8 स्टूडेंट्स डिस्टेंस लर्निंग से हैं।

टॉप 100 में 37 स्टूडेंट्स एलन से हैं, जिसमें 27 क्लासरूम तथा 10 डिस्टेंस लर्निंग से एलन से जुड़े हैं। संशोधित परिणामों में परफेक्ट स्कोर प्राप्त करने वाले 15 एलन क्लासरूम स्टूडेंट्स में वेद शिंदे, माजिन मंसूर, रूपायन मंडल, प्राचिता, शैलजा, दिव्यांश, शशांक शर्मा, आर्यन शर्मा, कहकशा परवीन, कृष्णमूर्ति पंकज सिवाल, वेद पटेल, माने नेहा कुलदीप, रितिक राज, तेजस सिंह और अभिनव किसना शामिल हैं। इसके साथ ही तथागत अवतार, अगदीप दत्ता, इशा कोठारी, उम्म्मा मालबारी व मानव प्रियदर्शी एलन ऑनलाइन टेस्ट सीरीज से तथा आदर्श सिंह, दर्श पगघर, शिखिन गोयल ने एलन से डिस्टेंस लर्निंग से जुड़कर ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की।

दो हिरण और एक चिंकारा की मौत

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के देगराय ओरण में सोमवार को तीन हिरणों की दर्दनाक मौत हो गई। दो हिरण पानी के खुले हौद में डूब गये, वहीं एक चिंकारा हिरण की दीवार से टकराने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने वन विभाग की मदद से तीनों के शवों को दफनाया। वन्यजीव प्रेमी सुमेरसिंह भाटी ने बताया कि बरसाती पानी के खुले हौद में दो हिरण डूब गये। वहीं एक चिंकारा हिरण के पीछे आवारा कुत्ते भागे। आवारा कुत्तों से बचने के लिए चिंकारा हिरण भागा मगर चारों तरफ रिन्यु सोलर कंपनी की दीवार होने के कारण चिंकारा भाग नहीं सका और दौड़ते हुए दीवार से टकराने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

सात विषयों की मॉडल उत्तर कुंजी जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023 के सात विषयों एबीएसटी, इंग्लिश, राजस्थानी, एप्लाइड आर्ट, लाइब्रेरियन, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन तथा होम साइंस विषय की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 3 जुलाई से 5 जुलाई को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है।

25 हजार की रिश्वत लेते दो कांस्टेबल गिरफ्तार

- मुकदमे में मदद के एवज में जांच अधिकारी के नाम पर रिश्वत मांगी थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के खांडाफलसा थाने के दो कांस्टेबलों को एसीबी ने रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। दोनों कांस्टेबलों ने मुकदमे में मदद के एवज में जांच अधिकारी के नाम पर 25 हजार की रिश्वत मांगी थी। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी पाली की द्वितीय इकाई ने जोधपुर में कार्रवाई कर खांडाफलसा थाने के कांस्टेबल जैमल राम व कांस्टेबल नरेन्द्र कुमार को परिवादी से 25 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी पाली की द्वितीय इकाई को शिकायत मिली थी। शिकायत में बताया था कि जांच अधिकारी के नाम पर मामले में मदद के लिए रिश्वत मांगी जा रही है। जिस पर एसीबी के उप महानिरिक्षक हरेन्द्र महावर के सुपरविजन में पाली इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खींवसिंह के नेतृत्व में टीम ने ट्रेप की कार्रवाई कर 25 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान बत्ती गुल हुई

- देश में लागू हुए तीन नए कानून पर अजमेर में संभाग स्तरीय कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे सीएम भजनलाल शर्मा

जवाहर रंगमंच में आयोजित कार्यक्रम में सीएम भजनलाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम से जुड़े।

अजमेर, (कासं)। देशभर में एक जुलाई से तीन नए कानून लागू हुए, जिसको लेकर जवाहर रंगमंच पर सोमवार को संभाग स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कानूनों की जानकारी देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम से जुड़े। सीएम शर्मा ने जैसे ही भाषण शुरू किया वैसे ही बिजली चली गई।

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से प्रदेश भर में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए नए कानून की जानकारी दी गई, साथ ही नए कानून के साथ कानून व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश भी दिए। नए कानूनों के लागू होने को लेकर ही सोमवार को अजमेर में संभाग स्तरीय कार्यक्रम जवाहर रंगमंच पर आयोजित हुआ।

समारोह में सीएलजी सदस्य, पुलिस मित्र, सुरक्षा सखी, कानूनों के जानकार सहित नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजमेर रेंज आईजी लता मनोज ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि तीन औपनिवेशक काल के कानूनों को समाप्त कर नए कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि बदलाव किए गए कानूनों की जानकारी प्रजेंटेशन के माध्यम से दी। आमजन को जागरूक करने के लिए पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं कि सभी सरकार अपने-अपने क्षेत्र में कानून में हुए बदलाव की जानकारी दें। आईजी ने बताया कि इन कानूनों को बदलने का मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रणाली को आधुनिक व न्यायपूर्ण बनाना है।

संभाग स्तरीय कार्यक्रम में एक बार फिर टाटा पावर की उदासीनता देखने को मिली। शहर भर में जहां बिजली कटौती से आमजन परेशान है। वहीं कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कानूनों की जानकारी देने के लिए जैसे ही अपना संबोधन शुरू किया वैसे ही बिजली गुल हो गई। जवाहर रंगमंच पर मौजूद संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा, आईजी लता मनोज, कलेक्टर भारती दीक्षित, एसपी देवेंद्र विश्नोई सहित अन्य आला अधिकारी सकते में आ गए। सीएम के संबोधन के अंतिम क्षण में बिजली आई। वहीं आईजी के संबोधन के दौरान भी बिजली चली गई। जिससे टाटा पावर की निष्क्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

नये आपराधिक कानूनों के तहत पाली में पहली एफआईआर दर्ज

जयपुर, (नि.सं.)। देश में एक जुलाई से लागू नए आपराधिक कानूनों के तहत प्रदेश में पाली के सादड़ी पुलिस थाने में पहली एफआईआर (नम्बर 0117) सोमवार को दर्ज की गई।

महानिदेशक पुलिस, साइबर अपराध एवं एससीआरबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि यह एफआईआर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 173 के तहत रास्ता रोककर मारपीट करने एवं सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटना के संबंध में दर्ज की गई।

यह घटना सुबह 7.30 बजे की है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 115 (2), 126 (2), 324 (4) एवं 324 (5) में प्रकरण दर्ज किया गया। प्रियदर्शी ने बताया कि प्रदेश में नए आपराधिक कानूनों की न्याय प्रणाली के तहत दोनों संहिताओं बीएनएसएस एवं बीएनएस का सुचारू क्रियान्वयन आरम्भ कर दिया गया है।

पुराने कानूनों के स्थान पर नए कानूनों में सिस्टम का सही तरीके से ट्रांजिशन हो गया है। सीसीटीएनएस पर बीएनएसएस एवं बीएनएसएस का इंटीग्रेशन पूरा हो चुका है। प्रदेश के नागरिकों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी।

राई का बाग रेलवे स्टेशन को राईका बाग रेलवे स्टेशन करने की मांग

जोधपुर, (कासं)। राईका समाज सोमवार को प्रशासन की लापरवाही से अपने नाम की खोई पहचान को वापस कायम करने के लिये सड़कों पर उतरा। राईका समाज का आरोप है कि राईका बाग रेलवे स्टेशन जो कि उनके समाज के आसूराम राईका के कारण मिला नाम से राईका समाज आंदोलनरत है लेकिन न तो जिला प्रशासन, रेलवे प्रशासन और राज्य सरकार तथा केन्द्रीय सरकार इस समाज की कोई सुनवाई कर रही है।

समाज के हजारों लोगों ने मेडिकल कॉलेज चौराहे पर महात्मा गांधी की मूर्ति के पास इक्कठा होकर रैली निकाल कर अपनी पीड़ा आमजन और सरकार तक पहुंचाने का काम किया। वहीं बताया कि समय रहते सरकार नहीं चेती तो वो अहिंसा का मार्ग भी त्यागने को मजबूर हो सकते हैं। राईका बाग रेलवे स्टेशन का नाम बदलने के बाद से ही करीब दो साल से राईका समाज आंदोलनरत है लेकिन न तो जिला प्रशासन, रेलवे प्रशासन और राज्य सरकार तथा केन्द्रीय सरकार इस समाज की कोई सुनवाई कर रही है।

समाज के वीर रिडमल राईका इतिहास एवं संस्कृति संरक्षण संस्था के सचिव सुखाराम, कर्पूराराम और लालसिंह ने राईका ने बताया कि अब समाज पत्र व्यवहार करने की बजाये आंदोलन की राह अपनायेगा जिससे की गूंगी बहरी सरकार इतिहास के साथ हो रहे इस खिलवाड़ पर जागकर अपनी गलती को सुधार करेगी।

राईका समाज के नेताओं ने कहा कि राजकालीन व्यवस्था के दौरान आसूराम राईका की सेवा भावना के कारण उसको उक्त जमीन देकर सम्मानित किया था। बाद में उक्त स्थान जसवंतसिंह की रानी ने जमीन पसंद आने पर आसूराम राईका से जमीन ली और उस पर बनाये बाग का नाम राईका बाग रखा। बरसों से चल रही परम्परा को कुछ साल पहले न जाने किसी के इशारे पर या मानवीय भूल से राईका बाग रेलवे स्टेशन जंक्शन की बजाय राई का बाग स्टेशन कर दिया, जबकि टिकट और रेलवे की ऑनलाइन पर अभी भी राईकाबाग जंक्शन ही किया जा रहा है। राई का बाग को राईका बाग बनाने की मांग को लेकर पूरे प्रदेश से हजारों राईका समाजबंधुओं ने आज अपने परम्परागत वेशभूषा में शामिल होकर अपना प्रदर्शन इस रैली में शक्ति प्रदर्शन किया।

गोविंद गुरु एक व्यक्ति नहीं बल्कि जीवन, समाज सेवा, देश सेवा के एक संस्थान रहे : राज्यपाल मिश्र

सामूहिक सद्प्रयासों से विश्वविद्यालय का कायाकल्प होगा : कुलपति ठाकुर

- गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नौवे स्थापना दिवस और विविध कार्यों का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित

राज्यपाल कलराज मिश्र ने गोविन्द गुरु जनजातीय वि.वि. में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

बांसवाड़ा, (निसं)। जनजाति केवल सामाजिक और विषयगत संप्रत्यय नहीं, अपितु एक जीवन-पद्धति और दर्शन है, जिसमें व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के साथ समग्र समाज, देश यहां तक की समस्त चराचर जगत के सर्वतोमुखी कल्याण के बीज मंत्र छिपे हैं। इसी जनजाति बाहुल्य दक्षिणी राजस्थान की भूमि में प्रातः स्मरणीय गोविन्द गुरु के आविर्भाव ने पूरे समाज और देश की दिशा ही बदल दी और सदियों तक जीवन के परिष्कार, कुरीतियों से दूर होने एवं अपना सर्वस्व समर्पित करने के वे जीवन मंत्र दिए हैं जो आज भी न केवल प्रासंगिक हैं बल्कि आज भी सभी को प्रेरणा देते हैं। ये विचार सूत्र राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के नौवे स्थापना दिवस और विविध कार्यों के लोकार्पण अवसर पर मुख्य अतिथि रूप में व्यक्त किए।

मिश्र ने गोविंद गुरु और वागड़-कांठल क्षेत्र के स्वतंत्रता-सैनानियों, अमर शहीदों के त्याग और बलिदान को श्रद्धांजलि देते स्पष्ट किया कि गोविन्द गुरु एक व्यक्ति नहीं बल्कि जीवन,समाज-सेवा, देश-सेवा के एक संस्थान रहे जिन्होंने तत्कालीन समय में शिक्षा और जागरूकता का प्रसार,समाज-सुधार,कुरीतियों के उन्मूलन,स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा और संस्कृतिकरण संरक्षण के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। पूरे अंचल में गोविन्द गुरु का योगदान गहरा और व्यापक है। राज्यपाल मिश्र ने विश्वविद्यालय स्थापना दिवस को आत्मावलोकन का पर्व बताते हुए कहा कि हम अतीत में किए कामों का मूल्यांकन करें, भविष्य की ऐसी योजनाएँ बनाएँ कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में विश्व की उत्कृष्ट संस्थान बने। हम यह संकल्प लें कि जनजातीय विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और संवेदनाओं को देखते हुए आधुनिक शैक्षिक विधियों को अपनाते हुए इस क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार के संवाहक बनें। हमारा जनजातीय क्षेत्र आज भी विकास की मुख्य धारा से कटा हुआ है। शिक्षा सभी तरह की दूरियों को पाट सकती है।हमारी वैदिक संस्कृति ईश्वर-प्रदत्त संविधान है में जो संरक्षण की पद्धति है,उससे सीख लेने की जरूरत है। जनजातीय क्षेत्र की अपनी परम्पराएँ है जो पीढ़ी दर पीढ़ी संरक्षित होती आ रही हैं। आज विश्वविद्यालय का यह दायित्व है कि इस संरक्षित धरोहर को सहेजे और विकसित करें। पूरा विश्व आज जल-संकट से जूझ रहा है लेकिन हमारी सनातन जीवन और जनजातीय जीवन पद्धति में पानी को सहेजने की जो पद्धति रही है, उस पर शोध करने की आवश्यकता है। इस दिशा में विश्वविद्यालय विशेष ध्यान देकर जनजातीय संस्कृति, समाज और पारिस्थितिकी संतुलन के सन्दर्भ में विशेष परियोजनाओं पर काम करें।

इस अवसर पर कुलपति प्रो केशव सिंह ठाकुर ने विश्वविद्यालय की विगत स्थापना से आज तिथि तक हुई विकास यात्रा की बानगी प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने अत्यंत अल्प समय में ही भौतिक विकास, शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में पूरे राज्य में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। आज आवश्यकता है कि इसके सर्वांगीण विकास में सभी योगदान करें। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के नौवे स्थापना दिवस पर तीन कार्यों का ऑनलाइन लोकार्पण किया। विश्वविद्यालय में गुलाब वाटिका, पूर्व सांसद कनकमल कटारा द्वारा सांसद निधि मद से बनी कैंटीन और विश्वविद्यालय के वित्त से निर्मित सभागार का वर्चुअल लोकार्पण किया। इसके साथ ही राज्यपाल ने माह अक्टूबर में गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय और पैसिफिक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले 75 वें ऑल इंडिया कॉमर्स कांफ्रेंस के ब्रोशर का भी ऑनलाइन विमोचन किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रभारी सम्बद्धता डॉ नरेंद्र पानेरी ने और आभार प्रदर्शन कुलसचिव राजेश जोशी ने किया। कार्यक्रम में राजभवन के सभी अधिकारीगण,विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी,राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों के प्राचार्यों, नगर से पधारे गणमान्य शिक्षाविदों, संस्कृतिधर्मियों, संकाय सदस्यों और इंजीनियरिंग कॉलेज-कैंपस विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:-nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु / सफाई शाखा / 2024 / 1508 दिनांक :- 27.06.2024
-: ई-निविदा सूचना-2024-25 :-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से निविदा दिनांक 15.07.2024 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक DLB2425SLOB01870 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ़ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद / सी / 24 / 1456 आयुक्त, नगर परिषद सुजानगढ़

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालोर
क्रमांक-अ.अ./चि.एवं.स्वा./2024-25/581-89 दिनांक-25.06.2024
ई-निविदा सूचना संख्या 03/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 18.35 लाख के 2 सिविल कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदायें आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण डीआईपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
1. NRH2425WSOB00338, 2. NRH 2425WSOB00339
(रणवीरसिंह कछवाहा) अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/5062/2024 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

कार्यालय नगर परिषद ब्यावर
Tel.No. 01462-258665 Email Add:- npbeawar@gmail.com
क्रमांक / नपब्या / संस्थापन / 2024-25 / 3495 दिनांक - 28.06.2024
ई दर संविदा सूचना
निम्नांकित विवरण के अनुसार ई दर संविदा ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल राजस्थान पर दिनांक 09.07.2024 को प्रातः 11:00 बजे तक आमंत्रित है। विस्तृत शर्तें ई दर संविदा फार्म के साथ संलग्न है। यह दस्तावेज एस.पी.पी. पोर्टल पर एवं ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	दर संविदा फार्म शुल्क	दर संविदा प्रोसेसिंग शुल्क
1.	COMPUTER OPERATOR SERVICES RATE CONTRACT	30.73 लाख	61,460	1000	500

Nib Code : DLB2425A0622
BID No.: DLB2425SLRC01961
राज.संवाद / सी / 24 / 1455 समापति नगर परिषद ब्यावर आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
क्रमांक-सं. संक्षिप्त वि.सं. 04&05/Exam/Dy.Jailor&V.P./Superintendent I.T.I./RPSC/EP-I/2024-25 दिनांक-01.07.2024
आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए 02 विज्ञापनों के तहत ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उक्त विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों की शैक्षणिक योग्यता, पदों की संख्या, वर्गवार, वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया, आयु सीमा व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संबंधित परीक्षावार विज्ञप्ति का अवलोकन करें। इन विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों हेतु विभाग का नाम, पद नाम, विज्ञापन संख्या, पदों की संख्या, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	विज्ञापन संख्या	पदों की संख्या	आवेदन अवधि
1	कारागार विभाग	उप कारापाल	04/2024-25	73 (NSA&SA)	08.07.2024 से 06.08.2024
2	कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग	उपाचार्य/अधीक्षक, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान	05/2024-25	36	10.07.2024 से 08.08.2024

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संबंधित परीक्षावार विज्ञप्ति का अवलोकन करें। आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित सहायता कक्ष पर व्यक्तिशः रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को संबोधित किया जाए।
राम निवास मेहता, सचिव

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खण्ड पोकरण
क्रमांक-अअ/पोक/2024-25/380 दिनांक-25.06.2024
निविदा सूचना संख्या 02/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन निर्माण/सड़क निर्माण कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

ऑन लाईन निविदा मिलने की पूर्व तारीख	02.07.2024 से 12.07.2024 तक सायं 6.00 बजे
ऑन लाईन निविदा जमा कराने की तारीख	02.07.2024 से 12.07.2024 तक सायं 6.00 बजे

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट www.dipronline.org एवं निविदा दस्तावेज का विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी।
NIB CODE PWD2425A0390
UBI NO. PWD2425WSRC01459, PWD2425WSRC01461, PWD2425WSRC01462, PWD2425WSRC01464, PWD2425WSRC01467, PWD2425WSRC01470, PWD2425WSRC01471, PWD2425WSRC01473, PWD2425WSRC01478, PWD2425WSRC01479, PWD2425WSRC01480
(हर्षवर्धन डाबी)
DIPR/C/5102/2024 अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खण्ड पोकरण

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920
क्रमांक :-MEW/2024-25/37 दिनांक:- 28.06.2024
:- ई-निविदा सूचना संख्या 07/2024-25 :-
नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यों की कुल लागत	राशि 40.94 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	Date 29.06.24 से 08.07.24 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 09.07.24 को 12.30 PM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
Nib Code :- ANN2425A0040 UBN No. : ANN2425WSOB00049
राज.संवाद / सी / 24 / 1468 अधिशाषी अभियन्ता

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: जविप्रा / अ.अ.(मुख्या.) / 2024 / डी-178 दिनांक: 28.06.2024
निविदा सूचना
निविदा सूचनाः जविप्रा / अधि.अभि. (मुख्यालय) / 02 / 2024-25
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Various renovation and development work at JDA flats Lal Kothi, Malviya Nagar and Sethi colony, JDA, Jaipur for the Year 2024-2025" जिसकी अनुमानित लागत राशि ₹161.84 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 29.06.2024 को प्रातः 9:30 बजे से आमन्त्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 09.07.2024 को सायं 6.00 बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.raj.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and www.jda.urban.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। (UBN No. JDA2425WSOB00102)
निविदा में भाग लेने वालो को निम्न शर्तों की पूर्ति करनी होगी।
1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.urban.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई. एस. एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो।
Raj.Samwad/C/24/1522 अधिशाषी अभियंता (मुख्यालय)